उत्तराखंड की पहली सेब नीति का प्रस्ताव तैयार

चर्चा में क्यों?

6 अगस्त, 2023 को कृषि एवं उद्यान मंत्री गणेश जोशी ने बताया कि प्रदेश में सेब उत्पादन और मार्केटिंग को बढ़ावा देने के लिये पहली सेब नीति का प्रस्ताव तैयार हो गया है।

प्रमुख बिंदु

- इस नीति में पाँच हज़ार हेक्टेयर क्षेत्र में नए सेब के बगीचे लगाने के लिये सरकार किसानों को प्रोत्साहित करेगी। 0.2 से 20 हेक्टेयर भूमि पर किसान सेब बगीचे तैयार कर सकते हैं।
- कृषि एवं उद्यान मंत्री गणेश जोशी ने बताया कि इस नीति पर प्रदेश के किसानों से भी सुझाव लिये जाएंगे। जिन्हें नीति में शामिल किया जाएगा। इसके बाद ही नीति का प्रस्ताव कैबिनेट में रखा जाएगा।
- विदित है कि प्रदेश में हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर ज़िले को छोड़ शेष 11 ज़िलों के पर्वतीय क्षेत्रों में सेब का उत्पादन किया जाता है, लेकिन अभी तक उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू कश्मीर से सेब उत्पादन में पीछे हैं।
- प्रदेश में उत्तरकाशी सेब उत्पादन में अग्रणी है। कुल 25785 हेक्टेयर क्षेत्र में लगभग 62 हज़ार मीट्रिक टन सेब का उत्पादन किया जाता है।
- पहली बार सेब नीति लागू कर राज्य सरकार का उत्पादन बढ़ाने पर ज़ोर है। जिन किसानों के पास कम ज़मीन है, उन्हें भी सेब की खेती के लिये प्रोत्साहित किया जाएगा।
- नीति में 0.2 हेक्टेयर से 20 हेक्टेयर तक सेब बगीचे लगाने के लिये सरकार उन्नत किस्म के सेब के पौधे मुहैया कराएगी। इसके अलावा सेब के पौधे मुहैया कराने, तकनीकी जानकारी के लिये कंपनियों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttarakhand-s-first-apple-policy-proposal-ready